न्यूज डायरी

आर्मीनिया ने मार गिराए अजरबैजान के किलर ड्रोन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) येरेवान/बाकू। मध्य एशिया के दो देशों आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच विवादित नागोर्नो–काराबाख को लेकर लगातार 5वें दिन खूनी जंग जारी है। दोनों ही देशों की सेनाएं एक–दूसरे पर भीषण हमले कर रही हैं। आर्मीनिया ने दावा किया है कि उसने अजरबैजान के 4 किलर ड्रोन और सैन्य विमान को मार गिराया है। इससे पहले आर्मीनिया ने दावा किया था कि उसके एक सुखोई विमान को तुर्की के एफ–16 ने नष्ट कर दिया है। दुनियाभर से सीजफायर के आह्वान के बाद भी दोनों ही पक्षों ने बारूद की बारिश करना जारी रखा है। आर्मीनिया के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम फोर्सेस ने अजरबैजान के एक सैन्य विमान और एक ड्रोन विमान को विवादित नागोर्नो–काराबाख इलाके में मार गिराया है। उधर, अजरबैजान ने दावा किया है कि उसकी तोपों ने रातभर आर्मीनिया के सैनिकों पर गोले बरसाए हैं और भारी नुकसान पहुंचाया है।

इमरान ने भारत पर नवाज शरीफ की मदद का आरोप लगाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने आरोप लगाया है कि भारत पाकिस्तानी सेना को कमजोर करने के लिए नवाज शरीफ की मदद कर रहा है। इमरान ने कहा कि नवाज शरीफ सेना पर राजनीतिक हस्तक्षेप का आरोप लगाकर एक खतरनाक खेल खेल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्थान के इतिहास में इस समय सेना और सरकार के बीच सबसे अच्छे संबंध हैं। इमरान का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब उन्होंने राजनीति में हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार को लेकर सेना के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इमरान खान ने पाकिस्तान के एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा, नवाजब शरीफ एक खतरनाक खेल खेल रहे हैं। अल्ताफ हुसैन ने भी इसी तरह का खेल खेला था। मुझे 100 फीसदी विश्वास है कि भारत पीएमएल एन नेता नवाज शरीफ की मदद कर रहा है।

पाकिस्तान में बलात्कारियों ने हिंदू लड़की को किया ब्लैकमेल, दे दी जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के रियासत–ए–मदीना में हिंदू बच्चियों के खिलाफ रेप की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं और अपराधी बेखौफ होकर धमकाने में जुटे हुए हैं। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के थारपारकर जिले में एक 17 साल हिंदू किशोरी ने आत्महत्या कर लिया। परिवारवालों का कहना है कि हिंदू लड़की के साथ एक साल पहले बलात्कार हुआ था और अपराधी उसे ब्लैकमेल कर रहे थे। परिवार वालों ने बताया कि किशोरी ने इससे परेशान होकर आत्महत्या कर लिया। आत्महत्या की यह घटना दलान–जो–तार की है। ग्रामीणों ने लड़की का शव कुएं से निकाला और उसका पोस्टमॉर्टम किया गया है। लड़की के पिता ने कहा, पिछले साल जुलाई महीने में लड़की के साथ तीन लोगों ने गैंगरेप किया था और इस मामले के आरोपी जमानत पर हैं।

भारतीय वकील को नियुक्त करने की मांग को पाकिस्तान ने फिर किया खारिज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने गुरुवार को भारत की उस मांग को एक बार फिर खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि मौत की सजा पाए कुलभूषण जाधव को एक भारतीय या क्वीन का वकील मिलना चाहिए ताकि इस देश में उसे स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से मुकदमा लड़ने का अवसर मिल सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जाहिद हफीज चौधरी ने संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, हमने उन्हें बार–बार बताया है कि अदालत में कमांडर जाधव का पक्ष केवल वही वकील रख सकते हैं जिनके पास पाकिस्तान में वकालत करने का लाइसेंस है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने एक फैसले में कहा था कि देश में कोई विदेशी वकील वकालत नहीं कर सकता। पिछले महीने भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा था कि पाकिस्तान की सरकार अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के क्रियान्वयन में नाकाम रही है।

आर्मीनिया से जंग के लिए पहुंचे आईएसआईएस के 300 आतंकी

सीरिया से आतंकवादियों को भेजने के आरोपों पर घिरता जा रहा तुर्की

भीषण जंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेरिस/बाकू। आर्मीनिया से जंग के लिए सीरिया से आतंकवादियों को भेजने के आरोपों पर तुर्की घिरता जा रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इम्मैनुअल मैक्रान ने इस बात की पुष्टि की है कि 300 से ज्यादा कट्टर इस्लामिक आतंकी तुर्की के गजिआनटेप के रास्ते नागोर्नो–काराबाख पहुंचे हैं। नागोर्नो–काराबाख में आर्मीनिया और अजरबैजान के भीषण जंग जारी है। इस बीच आर्मीनिया ने सीजफायर पर वार्ता के लिए अपनी सहमति दे दी है।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने ब्रसेल्स में कहा, मैं आपको आश्वासन दे सकता हूं कि 300 से ज्यादा सीरियाई उग्रवादी कुछ समय पहले अलेप्पो जोन से निकाले गए थे और उन्हें तुर्की के रास्ते नागोर्नो–काराबाख में संघर्ष इलाके में तैनात किया गया है (जो अजरबैजान की ओर से युद्ध लड़ेंगे)। उन्होंने कहा, यह बिल्कुल पुष्ट तथ्य है। इन लोगों की पहचान की गई है और उन्हें खोज निकाला गया है। इन सभी के तार कुख्ख्यात आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े हुए हैं।

मैक्रान ने कहा कि मैंने इस संबंध में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की है और उन्होंने इसकी पुष्टि की है कि उन्हें इस बारे में सूचना मिली है। मैक्रान ने कहा, नाटो सदस्य के रूप में तुर्की का व्यवहार घृणित हो गया है। हमारा मानना है कि इस तरह का व्यवहार पूरी तरह से अस्वीकार्य करने योग्य है। इस मामले में लक्ष्मण रेखा को पहले ही पार कर दिया गया है।

आतंकवादियों को लाखों रुपये सैलरी दे रहा तुर्की: इससे पहले आतंकवाद की फैक्ट्री पाकिस्तान और उसके धार्मिक आका तुर्की के आर्मीनिया से जंग के लिए हजारों आतंकी भेजने की खबरें आ आई थीं। अब पहली बार फ्रांस ने इसकी पुष्टि कर दी है। ये आतंकवादी गृहयुद्ध से प्रभावित सीरिया और लीबिया से नागोरनो–काराबाख भेजे गए हैं। किलिंग मशीन कहे जाने वाले इन आतंकवादियों को मुस्लिम देश अजरबैजान के पक्ष में ईसाई देश आर्मीनिया से युद्ध के लिए काफी पैसा दिया जा रहा है। तुर्की के इस कदम से तनाव काफी बढ़ गया है और उसके रूस से जंग का खतरा मंडराने लगा है।

बताया जा रहा है कि ये आतंकवादी 22 सितंबर और उसके बाद तुर्की के रास्ते अजरबैजान की राजधानी बाकू पहुंचे थे। भारी हथियारों से लैस इन आतंकवादियों की तादाद करीब 1 हजार बताई जा रही है। ये सभी अल हमजा ब्रिगेड के बताए जा रहे हैं। ज्यादातर आतंकवादी सीरिया से आए हैं। हालांकि कुछ लोगों को लीबिया से भी भेजा गया है। बताया जा रहा है कि तुर्की के इस मिशन में पाकिस्थान भी मदद कर रहा है और उसके आतंकवादी इस इलाके में काफी सक्रिय हैं। बताया जा रहा है कि तुर्की इन आतंकवादियों को 1500 से 2000 डॉलर सैलरी दे रहा है। वहीं पाकिस्तानी सोशल मीडिया में अजरबैजान के समर्थन में जमकर पोस्ट किए जा रहे हैं।

अमेरिका में गरीबी में जिदगी बिता रहे भारतीय लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। भारत में बड़ी संख्या में लोगों का सपना अमेरिका में बसना होता है और हर साल बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिका जाते हैं। हालांकि अब अमेरिका को लेकर एक चौका देने वाला खुलासा हुआ है।

अमेरिका में रह रहे 42 लाख भारतीय–अमेरिकियों में से करीब 6.5 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं और कोविड–19 महामारी की वजह से समुदाय में गरीबी बढ़ने की आशंका है। यह तथ्य हाल में हुए एक शोध में सामने आया है। जॉन हॉपकिंस स्थित पॉल नीत्ज स्कूल ऑफ एडवांस्ड इटंरनेशनल स्टडीज के देवेश कपूर और जश्न बाजवात द्वारा 'भारतीय–अमेरिकी आबादी में गरीबी' विषय पर किए गए शोध के नतीजों को गुरुवार को इंडियास्पोरा परोपकार सम्मेलन–2020 में जारी किया गया। कपूर ने कहा कि बंगाली और पंजाबी भाषी भारतीय अमेरिकी लोगों में गरीबी अधिक है।

कपूर ने कहा कि इनमें से एक तिहाई श्रम बल का हिस्सा नहीं हैं जबकि करीब 20 प्रतिशत लोगों के पास अमेरिकी नागरिकता भी नहीं हैं। इंडियास्पोरा के संस्थापक एमआर रंगास्वामी ने कहा, 'इस रिपोर्ट के साथ, हम सबसे अधिक वंचित भारतीय अमेरिकियों की अवस्था की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।'

ट्रंप को हुआ कोरोना, चीनी मीडिया ने उड़ाया मजाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी फर्स्ट लेडी मेलानिया कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के मुखिया तक घातक वायरस के पहुंचने से सभी सकते में हैं। हालांकि, चीनी मीडिया इस पर भी ताने कसने से बाज नहीं आ रहा है। चीन के प्रॉपगैंडा अखबार ग्लोबल टाइम्स के संपादक ने ट्वीट कर कहा है कि ट्रंप और उनकी पत्नी ने कोविड–19 को कम समझने की कीमत चुका है। इस पर ट्विटर पर लोगों ने उन्हें जवाब दिया है कि महामारी छिपाने वाले चीन को इस तरह बात नहीं करनी चाहिए।

कोरोना वायरस टेस्ट में फटी दिमाग की झिल्ली, महिला की जान पर आया संकट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस टेस्ट करने के लिए अमेरिका में एक महिला की नाक से सैंपल लिया गया जिससे उसकी जान पर ही खतरा बन आया। दरअसल, टेस्ट के दौरान उनके दिमाग की लाइनिंग पंचर हो गई और नाक से दिमाग का फ्लूइड बाहर आ गया। यह भयानक घटना डॉक्टरों ने गुरुवार को एक मेडिकल जर्नल में बताई है। डॉक्टरों के मुताबिक अगर समय से इसका इलाज न होता तो महिला के दिमाग में बैक्टीरियल इन्फेक्शन भी हो सकता था।

टेस्ट में सावधानी बरतने की जरूरत: रिपोर्ट में कहा गया है

नाक से स्वॉब लेने में फट गई दिमाग की निचली झिल्ली

कि 40 साल की महिला को पहले से कोई समस्या थी जिसके बारे में उसे जानकारी नहीं थी। टेस्ट करने में भी गलती हो गई जिससे ऐसा हादसा हो गया। इसके साथ ही टेस्ट को और ज्यादा सावधानी से करने की जरूरत समझी गई है। श्र।ड। व्जवसंतलदहवसवहल–भ्मंक – छमबा ैनतहमतल के सीनियर लेखक जैरेट वॉल्श ने बताया है कि ऐसे लोग जिनका साइनस बड़ा होता है या स्कल की सर्जरी हुई होती है, उन्हें ओरल टेस्ट की मांग करनी चाहिए।

पहले सही से नहीं किया गया था टेस्ट: वॉल्श ने बताया कि महिला इलेक्टिव हर्निया सर्जरी से पहले नेजल टेस्ट के लिए गई थी। बाद में नाक से क्लियर फ्लूइड निकलता पाया गया। फिर सिर दर्द, उल्टी, गले की अकड़न, रोशनी जैसी दिक्कतें होने पर उसे वॉल्श के पास भेजा गया। महिला का मानना है कि उनका स्वॉब सही तरीके से नहीं किया गया था। खास बात यह थी कि महिला का सालों से इंटरक्रेनियल हाइपरटेंशन के लिए इलाज चल रहा था। इसका मतलब है कि दिमाग की सुरक्षा करने वाले फ्लूइड का प्रेशर बहुत ज्यादा था। पहले के स्कैन में इसका पता नहीं चल सका। अगर उनका इलाज अभी नहीं किया गया होता तो नाक के रास्ते उनके दिमाग में बैक्टीरियल इन्फेक्शन हो सकता था।

चीन के दुष्प्रचार की खुली पोल, गुब्बारे को बता दिया मिसाइल लॉन्चर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। भारत और ताइवान के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध के लिए सोशल मीडिया में रोज नए–नए पोस्ट्ट कर रहे चीन के दुष्प्रचार की पोल खुल गई है। चीन ने डराने के लिए मिसाइल लॉन्चर के आकार के गुब्बारे को पेंट करके उसमें हवा भर दी। हद तो तब हो गई जब चीन के प्रोपेगैंडा फैलाने वाले तंत्र ने इसे मिसाइल लॉन्चर बताकर शेयर करना शुरू कर दिया। हालांकि एक गड़बड़ी से उनके इस दावे की हवा निकल गई और अब उनकी जमकर किरकिरी हो रही है। दरअसल, चीन की सेना पीएलए ने जिस गुब्बारे को रॉकेट लॉन्चर की शक्ल्ल दिया था, वह एक जगह से पघ्चिका हुआ था। चीन के दुष्प्रचार तंत्र को जब यह अहसास हुआ तो उन्होंने इस फोटो को हटा लिया। अब सोशल मीडिया में चीन की जमकर किरकिरी हो रही है। दरअसल, युद्ध में अपने शत्रु देश को धोखा देने के लिए दुनिया के कई देश नकली हथियार तैनात करते हैं।